NCERT Solutions for Class 10 Hindi (Kshitij)

Chapter 9 लखनवीं अंदाज़

प्रश्न- अभ्यास

1. लेखक को नवाब साहब के किन हाव - भावों से महसूस हुआ की वें उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है ?

उत्तर:

गाड़ी के चलते ही जैसे ही लेखक ने हड़बड़ी में डिब्बे में प्रवेश किया, उन्हें दृष्टिगत हुआ की नवाब साहब की आँखों में उनके एकांत चिंतन में विघ्न के आशंका में ,असंतोष के भाव प्रकट हो गए है। इसके बाद भी नवाब साहब ने लेखक से वार्तालाप शुरू करने में रूचि नहीं दिखाई , जिससे की लेखक को नवाब साहब के मन में अपने लिए उदासीनता के भाव प्रतीत हुए।

2. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक- मिर्च बुरका, अंततः सूंघकर ही खिड़की से बहार फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा ? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वाभाव को इंगित करता है ?

उत्तर:

नवाब साहब ने इतने यत्न से खीरा काट कर, नमक - मिर्च छिड़कने के बाद भी सूंघकर बाहर फेंक दिया क्योंकि उस परिदृश्य में उनका खीरा खाना उन्हें निहायत ही मंझोले दर्जे का लगा जो की उनके नवाबी आन को दाग लगा सकता था। उनका यह बर्ताव उनके सामजिक झूठे शान ,दम्भ एवं आडंबर,दिखावा एवं व्यावहारिक खोखलेपन को परिलक्षित करते है।

3. बिना विचार,घटना और पात्रों के भी कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

उत्तर:

यह कहानी नए दौर के ऐसे लेखकों की जिनकी रचनाओं में कई बार विचार एवं कथ्य की कमी दृष्टिगोचर होती है पर एक तीखा व्यंग्य है। जो यह दर्शाने का प्रयास करता है की एक कहानी के लिए जो आवश्यक तत्व होते है उनमे एक कथ्य , विचार एवं मजबूत पात्र सबसे अहम होता है !मैं यशपाल के विचार से पूर्णतया सहमत हूँ।

4. आप इस निबंध को और क्या नाम देना चाहेंगें ?

उत्तर:

इस निबंध को एक अन्य नाम जो दिया जा सकता है वह " लखनवीं नवाब" हो सकता है , क्योंकि इस पुरे कथानक में ही नवाब साहब अपने लखनवीं अंदाज़ में अपने नवाबी को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने की कोशिश में दिखतें है।

रचना और अभिव्यक्ति

5. (क) नवाब साहब द्वारा खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

उत्तर:

नवाब साहब खीरा खाने की तैयारी बड़े ध्यानपूर्वक और विशेष तरीके से करते हैं। पहले, वे अपने लिए एक अलग और आरामदायक स्थान चुनते हैं। फिर, उन्हें खीरे की ताजगी और गुणवत्ता की जांच करनी होती है। जब खीरा उनके मानकों पर खरा उतरता है, तो वे उसे बहुत ही सफाई से धोते हैं। इसके बाद, नवाब साहब अपनी विशेष चाकू से खीरे को छीलते हैं और उसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काटते हैं। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, वे अत्यंत सावधानी बरतते हैं ताकि खीरा की सबसे अच्छी गुणवत्ता बनाए रखी जा सके। इस तरह, नवाब साहब खीरा खाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं ताकि वह पूरी तरह से उनकी पसंद के अनुसार हो।

(ख) किन-किन चीज़ों का रसास्वादन करने के लिए आप किस प्रकार की तैयारी करते हैं?

उत्तर:

मैं आमतौर पर विशेष अवसरों पर खाने-पीने की चीज़ों का रसास्वादन करने के लिए निम्नलिखित तैयारी करता हूँ:

1. पाक कला में तैयारी: मैं खाने की चीज़ों को बनाने के लिए पहले से ही सामग्री को एकत्र करता हूँ और उसकी ताजगी सुनिश्चित करता हूँ।
2. स्वच्छता का ध्यान: सभी बर्तन, सामग्री और स्वयं को स्वच्छता से धोता हूँ ताकि खाना स्वस्थ और सुरक्षित हो।
3. रसोई का आयोजन: खाने की प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाने के लिए रसोई की व्यवस्था ठीक से करता हूँ।
4. स्वाद परीक्षण: खाने के पहले उसका स्वाद और माप-तौल करके देखता हूँ कि वह मेरी पसंद के अनुसार हो।

6. खीरे के संबंध में नवाब साहब के व्यवहार को उनकी सनक कहा जा सकता है। आपने नवाबों की और भी सनकों और शौक के बारे में पढ़ा- सुना होगा। किसी एक के बारे में लिखिए।

उत्तर:

नवाबों की सनक और शौक के कई उदाहरण हैं। एक प्रसिद्ध उदाहरण नवाबों के बागवानी शौक का है। नवाब वजीर अली शाह, जो कि अवध के नवाब थे, ने अपने बगीचों को अत्यंत सुंदर और अद्भुत बनाने के लिए कई विशेष प्रयास किए। उन्होंने अपने बगीचों में विभिन्न प्रकार के विदेशी फूलों और पेड़ों को लगाने के लिए बड़ी मात्रा में पैसा खर्च किया। उनके बागों में पानी के तालाब, भव्य गज़ेबों और सजावटी पथों का निर्माण किया गया था। यह उनकी बागवानी के प्रति विशेष प्रेम और सनक को दर्शाता है, जो केवल उनके धनी और रचनात्मक स्वभाव का परिचायक था।

7. क्या सनक का कोई सकारात्मक रूप हो सकता है? यदि हाँ तो ऐसी सनकों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर:

हाँ, सनक का सकारात्मक रूप भी हो सकता है। कुछ उदाहरण निम्नलिखित हैं:

1. कलात्मक सनक: कलाकारों में कला के प्रति जुनून और सनक उनके उत्कृष्ट कार्य को जन्म देती है। जैसे, लियोनार्डो दा विंची की विज्ञान और कला के प्रति गहरी रुचि ने उन्हें कई अद्‌वितीय कृतियों को बनाने में मदद की।
2. विज्ञान में सनक: वैज्ञानिकों की वैज्ञानिक खोजों के प्रति सनक उन्हें महत्वपूर्ण आविष्कार और अनुसंधान की ओर ले जाती है। जैसे, आइज़क न्यूटन की गुरुत्वाकर्षण और भौतिकी के प्रति गहरी रुचि ने उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में क्रांति लाने में मदद की।
3. सामाजिक कार्य में सनक: समाजसेवियों की सामाजिक सुधारों और जनकल्याण के प्रति सनक उनके द्‌वारा किए गए प्रभावशाली कार्यों का कारण बनती है। जैसे, मदर टेरेसा की मानवता और सेवा के प्रति गहरी सनक ने उन्हें पूरे विश्व में सम्मान दिलाया।

भाषा अध्ययन

1. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँट कर क्रिया भेद भी लिखिए

क - एक सफेदपोश सज्जन बहुत ही सुविधा से पालथी मार कर बैठे थे।

ख - नवाब साहब ने संगति के लिए कोई उत्साह नहीं दिखाया।

ग - ठाली बैठे हुए कल्पना करते रहने की पुरानी आदत है।

घ -अकेले सफर का वक़्त काटने के लिए ही खीरे खरीदे होंगे।

ङ - दोनों खीरे के सिरे काटे उन्हें गोद कर झाग निकाला।

च - नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा।

छ - नवाब खीरे की तयारी और इस्तेमाल से थक कर लेट गए।

ज - जेब से चाकू निकाला।

उत्तर:

क. बैठे थे - अकर्मक क्रिया

ख. दिखाया - सकर्मक क्रिया

ग.आदत है - सकर्मक क्रिया

घ.खरीदे होंगे - सकर्मक क्रिया

ङ. निकाला - सकर्मक क्रिया

च. देखा - सकर्मक क्रिया

छ. लेट गए - अकर्मक क्रिया

ज. निकाला - सकर्मक क्रिया